भारत सरकार
भारी उद्योग मंत्रालय

लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 392
21.07.2026 को उत्तर के लिए नियत

तकनीकी और वित्तीय सहायता

392. **श्री अतुल गर्गः**

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार ने गाजियाबाद निर्वाचन क्षेत्र में संचालित भारी इंजीनियरिंग इकाइयों को लक्षित तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान की है;
(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने स्वचालित निर्माण प्रक्रियाओं और उनत रोबोटिक्स के संचालन के लिए स्थानीय औद्योगिक कार्यबल के कौशल-उन्नयन को सुगम बनाया है;
(घ) सस्ते और घटिया स्तर के औद्योगिक आयातों की डंपिंग से इन स्थानीय मशीनरी निर्माताओं की रक्षा करने के लिए क्या विशिष्ट उपाय किए गए हैं; और
(ङ) क्षेत्रीय भारी विनिर्माण क्षेत्र के समग्र विकास को बढ़ावा देने और नवाचार को सहायता प्रदान करने के लिए इस क्षेत्र में एक समर्पित औद्योगिक प्रौद्योगिकी पार्क स्थापित करने के लिए भावी योजना क्या है/कौन-सी पहल की गई हैं?

उत्तर
भारी उद्योग राज्य मंत्री
(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) से (ङ): भारी उद्योग मंत्रालय ने भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि हेतु स्कीम अधिसूचित की है। स्कीम के अंतर्गत, गाजियाबाद स्थित इंडस्ट्रियल प्रोसेसर्स एंड मेटलाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड की "जलविद्युत उद्योग हेतु रोबोटिक लेज़र क्लैडिंग प्रौद्योगिकी" नामक परियोजना को ₹1.24 करोड़ की बजटीय सहायता तथा ₹4.97 करोड़ की कुल परियोजना लागत के साथ स्वीकृत किया गया है।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा संचालित प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 के अंतर्गत दिनांक 30.06.2026 की स्थिति के अनुसार गाजियाबाद में औद्योगिक स्वचालन (इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन) क्षेत्र में 312 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण/अभिमुखीकरण प्रदान किया गया है।

*****